दैनिक भास्कर, इंदौर
गुरुवार 4 दिसंबर, 2014

अब अपराधों में भी होने लगा टेक्नोलॉजी का उपयोग

प्रशिक्षण कार्यक्रम केंद्रीय उत्पाद, सीमा शुल्क व सेवाकर के अधिकारी- कर्मचारियों को दी साइबर क्राइम के बारे में जानकारी

साइबर क्राइम के बारे में जानकारी देते आईजी वरूण कपूर।

भास्कर संवाददाता | इंदौर

कम्प्यूटर और इंटरनेट के बढ़ते इस्तेमाल के साथ ही साइबर क्राइम में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है। आधुनिक अपराधों के लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस तरह होने वाले साइबर अपराधों से बचने का एकमात्र तरीका है साइबर जागरूकता।

यह बात पुलिस रेडियो ट्रेनिंग स्कूल (पीआरटीएस) के डायरेक्टर व आईजी वरुण कपूर ने बुधवार को केंद्रीय उत्पाद शुल्क, सीमा शुल्क व सेवाकर कार्यालय में उक्त विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों से कही। उन्होंने बताया अपराधी कैसे टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर आम नागरिकों, संस्थाओं, कार्यालयों आदि की जानकारी चोरी कर इंटरनेट के माध्यम से वायरस भेज नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय कार्यालय, राज्य शासन या अर्द्धशासकीय कार्यालय सभी स्थानों पर इंटरनेट से काम हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में एक छोटी सी गलती से भी निजी या शासकीय नुकसान हो सकता है।

आईजी द्वारा दी गई जानकारी को कार्यशाला में मौजूद अधिकारियों-कर्मचारियों ने बहुत उपयोगी बताया। इस अवसर पर सेंट्रल एक्साइज, कस्टम और सर्विस टैक्स कमिश्नर जे.पी. ममगई, ज्वाइंट कमिश्नर राकेश सहगल, एम.ए. अंसारी सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम के बाद अधिकारियों ने आईजी कपूर का प्रशंसा पत्र देकर सम्मान किया।